

डॉ. नट हेम, नीतिवचन, व्याख्यान 18

नीतिवचन 30:15-16 और 18-20

© 2024 नॉट हेम और टेड हिल्डेब्रांट

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. नट हेम हैं। यह सत्र संख्या 18, नीतिवचन अध्याय 30, श्लोक 15 से 16 और 18 से 20 है।

नीतिवचन की बाइबिल पुस्तक पर व्याख्यान 18 में आपका स्वागत है।

हमने पिछले व्याख्यान में पुस्तक के अध्याय 29 में आगुर के अध्याय के शुरुआती प्रार्थना क्रम को देखा है। अब इस काफी संक्षिप्त व्याख्यान में, मैं आगुर के बाकी प्रतिबिंबों में छंदों के दो विशेष अनुक्रमों को देखना चाहता हूँ। हमारे पास इन सब पर गौर करने का समय नहीं है, लेकिन मैं दो चीजों पर प्रकाश डालना चाहता हूँ।

एक तो यह कि, वास्तव में नहीं, बस एक बात है, मैं दो उदाहरणों के संबंध में एक बात पर प्रकाश डालना चाहता हूँ। मेरा मानना है कि अध्याय के बाकी हिस्सों में छंदों के विभिन्न समूह जो दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, वह उस मुख्य सीख के अनुरूप विनम्रता या शील से संबंधित है जिसे आगुर ने अपनी प्रार्थना में प्रतिबिंबित किया है। अन्य बहुत ही ज्वलंत, बहुत जीवंत और आकर्षक प्रकार के विचारोत्तेजक काव्य अनुक्रमों के बीच मैं जिन दो खंडों को देखना चाहता हूँ वे श्लोक 15 से 16 हैं।

यह एक खूबसूरत है। जोंक एक खून चूसने वाला छोटा जानवर है। जोंक की दो बेटियाँ हैं।

दो, दो, वे चिल्लाते हैं। तीन चीजें कभी संतुष्ट नहीं होतीं। चार कभी पर्याप्त नहीं कहते।

शेल, बंजर गर्भ, पानी के लिए हमेशा प्यासी धरती, और आग जो कभी पर्याप्त नहीं कहती। तो, यहाँ बहुत ही विचारोत्तेजक, बहुत जीवंत, आकर्षक भाषा है। कटु व्यंग्य और व्यंग्य के साथ, ईश्वर पर विनम्र निर्भरता के विरोध में स्वार्थी महत्वाकांक्षा की हास्यास्पदता की खोज।

मैं चाहता हूँ, मैं चाहता हूँ, मैं चाहता हूँ। ज्यादा ज्यादा ज्यादा। और फिर यह क्रम जिसे लेखक व्यंग्यात्मक और विनोदी ढंग से ऐसी चीजों के रूप में वर्णित कर रहा है जो कभी पर्याप्त नहीं होतीं।

और, निःसंदेह, ये सभी अंततः मनुष्यों और उनके अतृप्त लालच के रूपक हैं। वे कभी भी पर्याप्त नहीं कहते। ठीक यही समस्या है, जैसा कि मैंने पिछले व्याख्यान में तर्क दिया था, आगुर स्वयं इससे जूझ रहे थे।

और भगवान उसे एक प्रार्थना के पास लाए थे जहाँ उसने कहा, मुझे बस पर्याप्त से संतुष्ट होने में मदद करें और पर्याप्त से अधिक भी नहीं। उन्होंने यह कहने की क्षमता के लिए प्रार्थना की थी, हाँ, यह काफी है। और यहां अब इसे मजाकिया, विनोदी, व्यंग्यात्मक, उत्तेजक तरीके से संबोधित

किया जा रहा है जो लोगों को सोचने पर मजबूर करता है और भगवान पर निर्भरता में आगुर को खुश करना चाहता है।

वह पहला है. मुझे लगता है कि दूसरा और भी अधिक मज़ेदार है। यह श्लोक 18 से 20 तक है।

और इसकी शुरुआत उन चीज़ों के अनुक्रम से होती है जो अगुर को समझ से परे लगती हैं। यहाँ वे जाते हैं. तीन चीज़ें मेरे लिए बहुत अद्भुत हैं।

चार मुझे समझ नहीं आता. आकाश में उकाब की चाल, चट्टान पर साँप की चाल, ऊँचे समुद्र पर जहाज की चाल, और लड़की के साथ पुरुष की चाल। और फिर अगली आयत कहती है, व्यभिचारिणी की चाल यही है।

वह खाती है और मुंह पोंछकर कहती है, मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। अब यहाँ क्या हो रहा है? श्लोक 20 को श्लोक 18 से 19 के साथ जोड़ने के लिए इसके कटु व्यंग्य को समझना वास्तव में अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो हर कोई नहीं करता है। लेकिन शुरुआती रहस्यमय बयान, आकाश में चील का रास्ता क्या है, चट्टान पर साँप, समुद्र पर जहाज, एक लड़की के साथ एक आदमी, उनमें क्या समानता है जो इतनी समझ से परे है? खैर, समझने में बहुत अद्भुत है।

वैसे तो कई विकल्प हैं, लेकिन मेरा पसंदीदा विकल्प यह है। और संक्षिप्तता के लिए, मैं अन्य सभी में नहीं जाता हूँ। लेकिन उन सभी में एक समानता है, जिसे समझना बहुत मुश्किल हो जाता है, वह यह है कि जब आप चील को आकाश में उड़ते हुए देखते हैं, तो यह देखने में एक राजसी चीज़ होती है।

लेकिन एक बार बाज के चले जाने के बाद, बाज के रास्ते का कोई निशान नहीं बचता। एक चट्टान पर साँप, दुर्जेय चुपके। जब वह हमला करती है, तो यह घातक होता है।

लेकिन जब तक बहुत देर नहीं हो जाती तब तक आप उसे नहीं देख पाते। और उसके जाने के बाद, उसने अपने पीछे कोई निशान नहीं छोड़ा है। यही चीज़ उसे इतना खतरनाक बनाती है।

और फिर गहरे समुद्र में जहाज, फिर से, जब जहाज शुरू में लहरों के माध्यम से अपना रास्ता बनाता है, तो ध्यान दें कि मैं इसे कैसे वाक्यांश देता हूँ, आपको लहरें मिलती हैं, मुझे नहीं पता कि उन्हें पेशेवर रूप से क्या कहा जाता है, लेकिन वे अक्सर शक्तिशाली होते हैं। फिर भी, दो या तीन मिनट बाद, कुछ भी नहीं बचा। ऐसा लगता है मानो जहाज़ वहाँ कभी था ही नहीं।

जहाज ने अभी क्या किया है इसका कोई निशान समुद्र नहीं दिखाता है। जो हमें एक पुरुष और एक लड़की के रास्ते पर लाता है। अब, एक लड़की के साथ एक आदमी का रास्ता ए से बी तक की प्रगति नहीं है, बल्कि आम तौर पर है, और यही वह है जिसे यहां हाइलाइट किया जा रहा है, बाहर से अंदर और वापस बाहर की ओर प्रगति, आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ .

यह संभोग के बारे में है। और फिर, यह इस तथ्य को संदर्भित करने का एक व्यंग्यात्मक, मजाकिया, दिलचस्प तरीका है कि संभोग के बाद, दोनों कपड़े पहनते हैं और किसी को पता नहीं चलता। और इस प्रकार, निःसंदेह, लड़की गर्भवती हो जाती है, या महिला गर्भवती हो जाती है।

लेकिन यौन प्रलोभन की स्थिति में, इस तथ्य के कारण इसमें गिरना आसान है कि यह इतना आकर्षक है, यह इतना वांछनीय है, यह इतना आकर्षक है, और बाकी सब कुछ। लेकिन साथ ही, कोई भी आसानी से इस भ्रम में रह सकता है कि हमें पता नहीं चलेगा, किसी को पता नहीं चलेगा। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि संभोग में कुछ भी गलत है, लेकिन यहां एक लड़की के साथ पुरुष के तरीके के बारे में समझ यह है कि यह संभवतः किसी प्रकार का अवैध संभोग है, और मैं एक क्षण में यही तर्क दे रहा हूँ, एक विवाहित महिला और एक पुरुष के बीच।

तो, यहाँ लड़की एक विवाहित महिला है, और श्लोक 20 में यही बात सामने आती है। यह एक व्यभिचारिणी का तरीका है। वह खाता है।

वह यहाँ जो खाती है, निस्संदेह, फिर से, यौन क्रिया के लिए एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति है। और फिर अपना मुँह पोंछती है। फिर, एक बार जब उन चीजों की छवि में मुँह पोंछ लिया जाता है जो समझने में बहुत अद्भुत हैं, तो कोई यह नहीं देख सकता है कि उसने अभी-अभी खाया है।

और फिर कहती है, मैंने कोई गलती नहीं की। और इन छंदों का क्रम यह सुझाव दे रहा है कि यदि लोग इस प्रकार का काम करते हैं, तो, नीतिवचन की पुस्तक के शुरुआती अध्यायों में वैवाहिक निष्ठा के बारे में लगातार चेतावनी दी जा रही है। वह अजीब महिला का संदर्भ है।

महिला इसलिए अजीब नहीं है क्योंकि वह विदेशी है। महिला अजीब है क्योंकि उसने किसी दूसरे पुरुष से शादी की है। और इसलिए नीतिवचनों का यह क्रम जिसके बारे में बात कर रहा है, मेरा मानना है, वह यौन शील है।

भले ही आपको लगता है कि कोई भी आपको जवाबदेह नहीं ठहराएगा, फिर भी सही काम करें। यदि आप एक पूर्ण यौन जीवन चाहते हैं, तो अपने तरीके, झूठ, धोखे और झूठ पर भरोसा न करें, जिससे आगुर ने भगवान से मदद करने की प्रार्थना की। लेकिन भगवान से अपने जीवन में सही साथी, सही पुरुष, सही महिला के लिए प्रार्थना करें।

तो, हम वहाँ हैं। यह हमें इस संक्षिप्त व्याख्यान के समापन पर लाता है। धन्यवाद।

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. नट हेम हैं। यह सत्र संख्या 18, नीतिवचन अध्याय 30, श्लोक 15 से 16 और 18 से 20 है।